भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

अप्रैल 2025 के द्‌वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

- ओडिशा में अप्रैल के द्‌वितीय पखवाड़े के दौरान तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होगी। उच्च तापमान एवं रुक-रुक कर गरज के साथ बौछार के बाद की स्थिति भूरा पौध माहू के संक्रमण के लिए अनुकूल है। यदि भूरा पौध माहू कीटों की संख्या 5-10 कीटें/पूंजा से अधिक होती है तो खेत को बारी-बारे से गीला करें एवं सुखाएं और यह भी ध्यान रखें कि लंबे समय तक खड़े पानी खड़ा न रहे। यदि समस्या बनी रहती है तो तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या ट्रायफ्लूमेजोपायरिम 10% एससी95 मि.ली/एकड़ या पायमेट्रोजाइन 50% डब्ल्यूजी ग्राम/एकड़ की दर से या डीनोटेफ्यूरान 20% एसजी ग्राम/एकड़ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिलीलीटर/एकड़ या एसीफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ की दर से छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए केवल अनुशंसित कीटनाशकों का उचित मात्रा पर उपयोग करें।
- यदि गंधी बग 2 कीटें/पूंजा से अधिक दिखाई दे तो इथोफेनोप्रॉक्स 10ईसी 200 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें या मालाथियन 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर से सुबह के समय जब हवा बिल्कुल न हो या कम हवा हो, पूरे खेत में एकसमान झाड़ दें।
- इल्ली संक्रमण दिखाई देने पर, क्वीनालफास 25ईसी 400 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपायरीफास 20ईसी 500 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें। इसे सुबह के समय धान पौधों के मूल में प्रयोग किया जाना चाहिए।
- बीज के लिए, फूल आने पर अन्य जाति के पौधों आदि को हटा देना चाहिए।
- धान के दानों के बिखरने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए धान की फसल में बालियां जब 80-85% तक पक जाए तब फसल काट लें।
- चावल के दाने में नमी की मात्रा को भंडारण से पहले 1-2 दिनों के लिए धूप में सुखाकर 14% तक नमी को कम करना चाहिए।
- धान के खेतों में मिट्टी की नमी की उपलब्धता के साथ ग्रीष्मकालीन जुताई शुरू करें।

- अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से मध्यवर्ती गहरा जल के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला और गायत्री तथा गहरा जल स्थिति के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505, सीआर धान 507 (प्रशांत) जैसी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की खरीद की जा सकती है।
- ऊपरीभूमि सीधी बीज वाली धान के लिए विश्वसनीय स्रोतों से सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, अंजलि, खंडगिरी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की खरीद की जा सकती है।
- अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से उथली निचली भूमि में रोपित चावल के लिए सीआर धान 307 (मौड़मणि), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44, उन्नत ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800, सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब 1 और बीपीटी 5204 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज की खरीद करें।
- तटीय लवणीय क्षेत्र के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्रोतों से सीआर धान 405 (लुणा सांखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री जैसी लवण सहिष्णु किस्मों की व्यवस्था करें।
- सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर किस्मों की खेती करने के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 जैसे संकर किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज खरीदें।
- बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए स्वर्णा सब-1, रणजीत सब-1, बहादुर सब-1, बिनाधान-11 और सांबा महसूरी सब-1 जैसी बाढ़ प्रवण सहिष्णु किस्मों की व्यवस्था करें। अर्ध गहराजल वाले क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय स्रोत से सीआर 1009 सब-1 बीज खरीदें।
- सूखा प्रवण ऊपरी/उथली निचली भूमि के लिए विश्वसनीय स्रोत से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णा श्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्मों की बीज खरीदें।

- विश्वसनीय स्रोत से अच्छी गुणवत्ता वाले ढैंचा के बीजों की खरीद की जा सकती है जिससे रोपित धान की फसल को हरी खाद मिल सके।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी पाने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइस एक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।